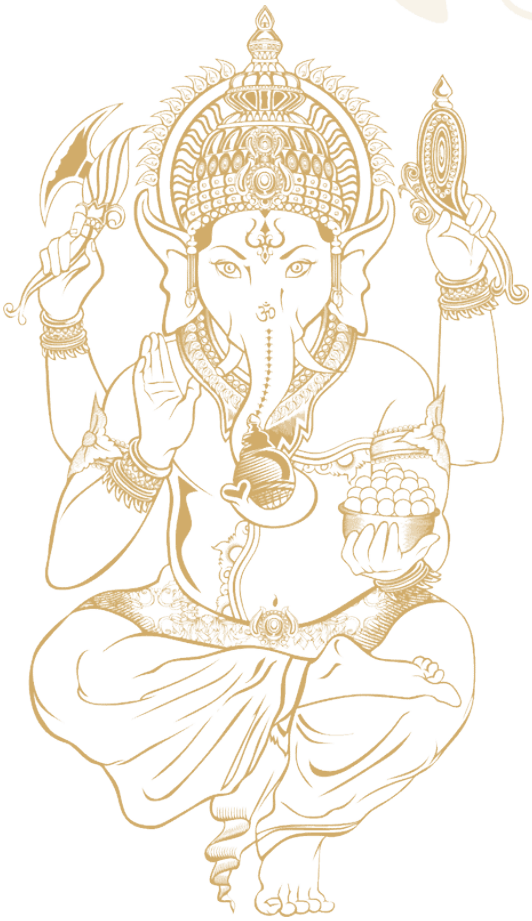

Mr.atharva

Ms.pranita

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119455301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119455301 Date: 16/09/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/07/1998	जन्म तिथि	18/09/1997
शुक्रवार	दिन	गुरुवार
घंटे 22:19:00	जन्म समय	12:14:00 घंटे
घटी 40:43:01	जन्म समय(घटी)	14:38:52 घटी
India	देश	India
Pune	स्थान	Shivpuri
18:34:00 उत्तर	अक्षांश	25:26:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	77:39:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:19:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:47	सूर्योदय	06:06:26
19:14:39	सूर्यास्त	18:20:17
23:50:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27
कुम्भ	लग्न	वृश्चिक
शनि	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
तुला	राशि	मीन
शुक्र	राशि-स्वामी	गुरु
स्वाति	नक्षत्र	रेवती
राहु	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	2
शिव	योग	वृद्धि
तैतिल	करण	गर
रू-रूपेश	जन्म नामाक्षर	दो-द्रोणी
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	गज
देव	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 15वर्ष 3मा 13दि		08:14:57	कुंभ	लग्न	वृश्चि	21:49:46	बुध 9वर्ष 2मा 21दि	
गुरु		17:43:23	मिथु	सूर्य	कन्या	01:34:01	शुक्र	
16/10/2013		08:40:35	तुला	चंद्र	मीन	22:45:54	09/12/2013	
16/10/2029		04:21:12	मिथु	मंगल	तुला	28:50:02	09/12/2033	
गुरु	04/12/2015	10:25:14	कर्क	बुध	सिंह	13:49:00	शुक्र	10/04/2017
शनि	16/06/2018	03:53:31	मीन	गुरु व	मक	18:55:04	सूर्य	10/04/2018
बुध	21/09/2020	17:04:48	वृष	शुक्र	तुला	13:20:39	चन्द्र	10/12/2019
केतु	28/08/2021	08:14:14	मेष	शनि व	मीन	24:44:22	मंगल	08/02/2021
शुक्र	28/04/2024	09:02:38	सिंह व	राहु व	सिंह	25:55:30	राहु	08/02/2024
सूर्य	14/02/2025	09:02:38	कुंभ व	केतु व	कुंभ	25:55:30	गुरु	09/10/2026
चन्द्र	16/06/2026	18:04:38	मक व	हर्ष व	मक	11:11:27	शनि	09/12/2029
मंगल	23/05/2027	07:28:11	मक व	नेप व	मक	03:28:25	बुध	09/10/2032
राहु	16/10/2029	11:56:43	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:21:34	केतु	09/12/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:03 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:27

लग्न-चलित

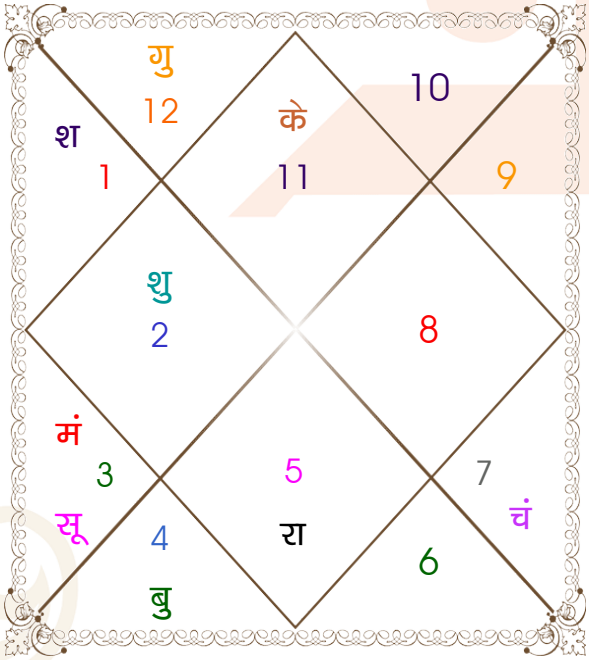

लग्न-चलित

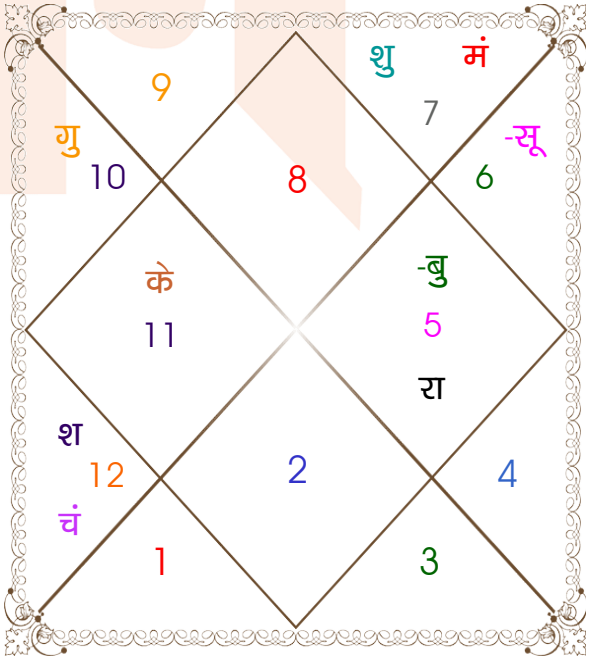

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

कुल : **12 / 36**

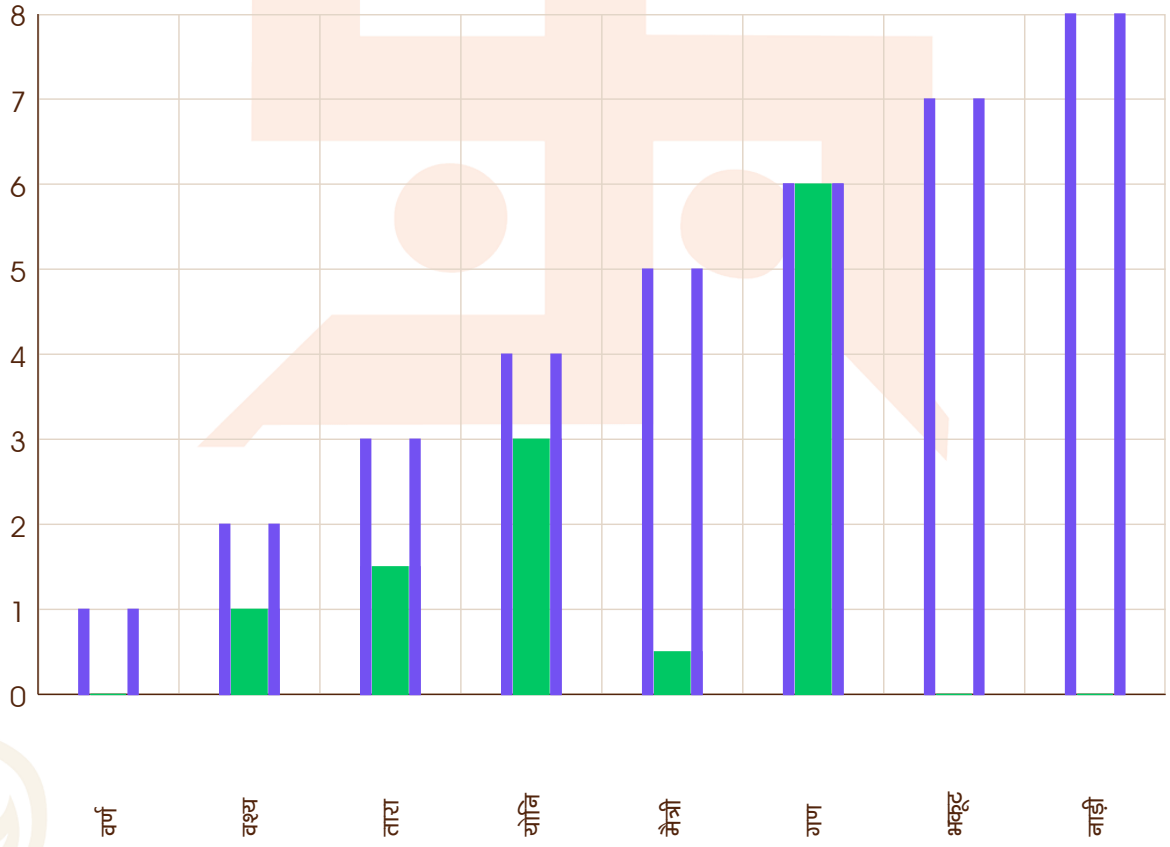

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms.pranita का नक्षत्र रेवती है।

Mr.atharva का वर्ग मृग है तथा Ms.pranita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.atharva और Ms.pranita का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.atharva मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Ms.pranita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.pranita कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.atharva कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.atharva तथा Ms.pranita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.atharva का वर्ण शूद्र है तथा Ms.pranita का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms.pranita का वर्ण Mr.atharva के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच हमेशा अहं का टकराव होगा। Ms.pranita हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रसित रहेगी तथा हमेशा स्वयं को पति से अधिक होशियार समझती रहेगी। कन्या की यही श्रेष्ठता का स्व अहसास उसके पति एवं बच्चों के विकास को बाधित कर रहेगा। साथ ही Mr.atharva के अन्दर हीन भावना घर कर जायेगी।

वश्य

Mr.atharva का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.pranita का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Mr.atharva एवं Ms.pranita दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Mr.atharva Ms.pranita पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Mr.atharva हमेश Ms.pranita के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Mr.atharva की तारा वध तथा Ms.pranita की तारा क्षेम है। Mr.atharva की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.atharva बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr.atharva को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.pranita लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Mr.atharva की योनि महिष है तथा Ms.pranita की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा

रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.atharva का राशि स्वामी Ms.pranita के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.pranita का राशि स्वामी Mr.atharva के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.atharva का गण देव तथा Ms.pranita का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.atharva से Ms.pranita की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ms.pranita से Mr.atharva की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Mr.atharva लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ms.pranita को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Mr.atharva की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.pranita की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.atharva एवं Ms.pranita की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी

बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.atharva की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला तथा Ms.pranita की राशि जलतत्व युक्त मीन राशि है जल तथा वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.atharva और Ms.pranita में स्वभावगत असमानता रहेगी जिससे परस्पर संबध तनाव पूर्ण रहेंगे तथा वेवाहिक जीवन विशेष अच्छा नहीं होगा। अतः मिलान अनुकूल नहीं होगा।

Mr.atharva की जन्म राशि का स्वामी शुक्र तथा Ms.pranita की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर शत्रु तथा समराशियों में स्थित है। वैवाहिक जीवन में सुख के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं होगी। इसके प्रभाव से Mr.atharva और Ms.pranita के मध्य परस्पर मतभेद एवं विरोध रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे फलतः आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे।

Mr.atharva एवं Ms.pranita की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य संबंध उग्रता का रूप धारण करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि कोण रहेगा तथा सुख सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा विवाद आदि पर अधिक समय व्यतीत होगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे अतः तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न होगी ।

Mr.atharva का वश्य मानव तथा Ms.pranita का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं अलग होनंगी। साथ ही दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.atharva का वर्ण शूद्र तथा Ms.pranita का वर्ण ब्राह्मण है अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी अंतर रहेगा। Mr.atharva की प्रवृति किसी भी कार्य को परिश्रम तथा ईमानदारी से पूर्ण करने की रहेगी जबकि Ms.pranita शैक्षणिक धार्मिक एवं सत्कार्यो को ही सम्पन्न करेंगी।

धन

Mr.atharva और Ms.pranita की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन Ms.pranita पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

Mr.atharva की प्रवृति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्यसनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.atharva और Ms.pranita दोनों एक ही नाड़ी अन्त्य में उत्पन्न हुए हैं। अतः इनके ऊपर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इससे इन दोनों का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होगी। साथ ही Mr.atharva के स्वास्थ्य पर मंगल का भी समय समय पर दुष्प्रभाव होता रहेगा इससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानियां प्राप्त करेंगे। वे हृदय संबंधी कष्ट भी प्राप्त करेंगे एवं काम शक्ति में भी न्यूनता आएगी जिससे परस्पर तनाव पूर्ण संबंध रहेंगे। अतः ऐसे मिलान की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तथापि मंगल के शुभ प्रभावों को प्राप्त करने के लिए Mr.atharva को चाहिए कि नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास रखें।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.atharva और Ms.pranita का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.atharva और Ms.pranita के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.pranita के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.pranita को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.pranita को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.atharva और Ms.pranita सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.atharva और Ms.pranita का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.pranita के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके

विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms.pranita भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms.pranita भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms.pranita को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.atharva तथा सास के संबधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr.atharva तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.atharva के संबध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr.atharva को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr.atharva समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr.atharva के प्रति अनुकूल ही रहेगा।